प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 16 मई, 2025 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में आज बिहार आई बैंक ट्रस्ट की राज भवन में बैठक आहूत हुई। बैठक में ट्रस्ट की वर्तमान गतिविधियों, भावी योजनाओं और संगठनात्मक स्वरूप पर विस्तृत चर्चा की गई। राज्यपाल महोदय ने उक्त अवसर पर कहा कि झारखंड राज्य के गठन को दो दशक से अधिक समय बीत चुका है, इसके बावजूद ट्रस्ट का नाम अब भी "बिहार आई बैंक ट्रस्ट" ही है। उन्होंने इसके नाम में शीघ्र परिवर्तन हेतु निर्देशित किया।

राज्यपाल महोदय ने सभी ट्रस्टी से कहा कि यह ट्रस्ट लोगों को बेहतर नेत्र उपचार की सुविधा उपलब्ध कराकर समाज में एक विशिष्ट पहचान स्थापित करे। उन्होंने कहा कि बिहार आई बैंक ट्रस्ट नेत्र रोगों के उपचार एवं नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए जन-जागरूकता कार्यक्रमों को भी बढ़ावा दें। माननीय राज्यपाल ने कहा कि उनके द्वारा बरेली में प्रतिवर्ष नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है और हजारों लोगों के नेत्र का निःशुल्क ऑपरेशन कराया जाता है।

बैठक में बिहार आई बैंक ट्रस्ट में आयुष्मान भारत योजना का लाभ लोगों को प्रदान करने तथा ट्रस्ट की वित्तीय स्थिति और संसाधनों के विविध स्रोतों पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अजय कुमार सिंह, वित्त विभाग के सचिव श्री प्रशांत कुमार, संयुक्त सचिव, राज्यपाल सचिवालय श्रीमती अर्चना मेहता, ट्रस्ट की सचिव डॉ. प्रोन्नति सिन्हा सहित अन्य ट्रस्टीगण उपस्थित थे।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज राज भवन में आयोजित सिक्किम राज्य स्थापना दिवस कार्यक्रम में झारखंड में निवास कर रहे सिक्किमवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि हिमालय की गोद में स्थित सिक्किम अपने प्राकृतिक सौंदर्य और शांत वातावरण के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। "खुशियों की धरती" के रूप में विख्यात यह राज्य केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि अपने नागरिकों के अदम्य साहस, जीवंत संस्कृति और अनुकरणीय विकास का प्रतीक है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि सिक्किम जैविक कृषि, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में देशभर में एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है। यह भारत का पहला ऐसा राज्य है, जिसने पूरी तरह से जैविक खेती को अपनाया। इको-टूरिज्म, स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास की अवधारणाओं को व्यवहार में लाकर सिक्किम ने यह सिद्ध किया है कि आधुनिकता और प्रकृति के बीच संतुलन संभव है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देकर सिक्किम ने न केवल अपनी आर्थिकी को सशक्त किया है, बल्कि संपूर्ण भारत के लिए हरित पर्यटन का एक आदर्श प्रस्तुत किया है। राज्यपाल महोदय ने यह भी कहा कि सिक्किम अपनी सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक

कलाओं और लोक पर्वों को संरक्षण प्रदान करते हुए आधुनिक विकास के मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी सिक्किम का भ्रमण कर चुके हैं।

इस अवसर पर स्वागत संबोधन करते राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने कहा कि सिक्किम आज राज्य की स्थापना के 50वां वर्षगांठ मना रहा है। यह राज्य आकार में भले छोटा हो, लेकिन हैप्पीनेस में अग्रणी है। जैविक कृषि, नागरिक उत्तरदायित्व और पर्यावरणीय सजगता में सिक्किम अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करता है।